साहित्यसुधा
साहित्यकारों की वेबपत्रिका
साहित्यकारों की रचना स्थली
वर्ष: 2, अंक 31, फरवरी(द्वितीय), 2018

डॉ० रिक लिंडल द्वारा रचित अंग्रेजी पुस्तक 'The Purpose' के हिंदी अनुवाद का अगला भाग

[....पिछले अंक से - अध्याय 5 - "भाग्य और सामंजस्य का विकास]

लेखक: डॉ० रिक लिंडल
अनुवादक: डॉ० अनिल चड्डा

भाग्य और सामंजस्य का विकास

पुरानी आत्मा ने जारी रखा, " तुम्हारे जन्म से पहले, धरती पर घटनाओं का समक्रमिक और सामंजस्य के विकास का एक अस्तित्व था, जो समय के आयाम तक फैला हुआ था. यह विकास ऐसा लगता है कि जैसे भविष्य से तुम्हारी ओर आ रहा है, उसी क्षण में अवसरों की खिड़की खोलते हुए, इससे पहले कि वह बंद हो जाएँ और लुप्त हो जायें. यदि तब तुम अवसर को मुट्ठी में बंद कर लेते हो जब खिड़की खुली है, तो तुम अपने लिये इतिहास की रचना करते हो. यह जीवन की प्रक्रिया है जो हर क्षण घटती रहती है. भौतिक संसार में तुम्हारे जन्म ने तुम्हे घटनाओं के इस विकास की नदी में फेंक दिया.

"जैसा कि तुम जानते हो, तुम अपना भविष्य नहीं देख पाते हो. एकदम सही भविष्यवाणी कि कल क्या हो सकता है संभव नहीं है, लेकिन तुम काफी सही अनुमान लगा सकते हो कि अगले कुछ घंटों में क्या हो सकता है और उन घटनाओं का कम सटीक अनुमान जो आगे जा कर भविष्य में हो सकती हैं. तुम अपने भविष्य की एक संक्षिप्त झलक अक्सर सपने में देख सकते हो और थोड़ी देर बाद ही, जागते हुए, इसको घटित होने अनुभव भी कर सकते हो.

"सूक्ष्मदर्शी अक्सर भविष्य की झलक देखते हैं जो सच भी हो जाती है, लेकिन घटनाओं कि ये झलक, फिर भी, उन व्यक्तियों पर कोई प्रभाव नहीं डालती या उनके जीवन को नहीं बदलती जो उनके बारे में जानते हैं."

"ऐसा क्यों है?"

"यह तुम्हारे उद्देश्य को कमजोर करेगा, तुम्हारे जीने के कारण को. जो अनुभव तुमने अपने मार्ग में निर्दिष्ट किये हैं उनका लाभ उठाने के लिये यह महत्वपूर्ण है कि तुम्हे अपने भाग्य के बारे में पहले से पता न हो. न जानते हुए, तुम इन घटनाओं के प्रभाव का अत्यधिक अनुभव ले सकते हो और जब वह घटित होती हैं तो तुम्हे आंतरिक शिक्षा अत्यधिक मात्रा मिल में सकती है. तुम, वास्तव में, पूर्ण रूप से भाग्य की दया पर हो. तुम बस यही कर सकते हो कि इसको प्रतिक्रिया दिखाओ."

Rani Sahibha Printed
Art Bhagalpuri Silk
Saree

Redmi Y1(Dark Grey) 32GB by Xiomi
Rs.8,999.00

अतीत और कुछ नहीं शुरुआत की एक शुरुआत है. और वह सब कुछ जो है और रह चुका है और के धुंधलके के सिवा कुछ नहीं है.

एच.जी. वेल्स

Moto G5s Plus (Lunar Grey, 64GB) by Motorola
₹14,999.00

रिक्की ने, सतर्क लगते हुए, साहस से कहा, "मुझे लगता है मुझे स्वयं को जीवन में कुछ कठोर अध्यायों के लिये तैयार कर लेना चाहिये."

"भूलो नहीं, आगे तुम्हारे लिये बहुत से अद्भुत और आनंदमयी अनुभव भाग्य में लिखे हुए हैं."

"हाँ. मुझे यकीन है कि मेरे भाग्य में लिखे हुए हैं."

"अब, तुम्हारे पास एक विकल्प है. तुम दोनों में से एक तरीके से प्रतिक्रिया कर सकते हो जब भाग्य 'तुम्हारे मुँह पर चाँटा मारता है', एक प्रकार से. तुम या तो बेहतर होने का चुनाव कर सकते हो, या तुम कड़वे होने का चुनाव कर सकते हो. अगर तुम नियत घटना के बाद कड़वा होने का चुनाव करते हो और लगातार क्रोध में रहते हो, तो तुम लगातार उसी भाग्य का अलग-अलग परिस्थितियों में अनुभव करोगे, जब तक तुम वह पाठ न सीखो जो तुमने अपने लिये सोचा था. दूसरी तरफ, तुम 'बेहतर' होने को चुन सकते और 'नियत घटना' को एक सकारात्मक रूप से गले लगा सकते हो और गुस्सा या चिंता न करें. अगर तुम क्रियाविधि के इस रास्ते को चुनते, तो जो तुम सीखना चाहते हो उस पर ध्यान दो और उस ज्ञान को सम्मिलित करो जो उस भाग्य से होने वाली वह घटना का तुम्हे बताने का आशय था.

भाग्य को गले लगाओ:
बेहतर बनो, कड़वे नहीं.

"वह एक अच्छी सलाह लगती है."

"हाँ. और इस प्रयास की सहायता के रूप में, तुम्हारे लिये इस पर विचार करना लाभदायक होगा कि तुम एक भाग्य से 'ग्रेजुएट' हो सकते हो. जब तुम ग्रेजुएट होगे, तो वह विशेष तरह की नियत घटना तुम्हे पटरी से उतारना बंद कर देगी. घटना लगातार घट सकती है, लेकिन तुम इसे अपने मार्ग की रुकावट की भांति प्रतिक्रिया देनी बंद कर दोगे. तुम इसे जल्दी गुजर जाने दोगे, जैसे एक बत्तख की पीठ से पानी. तुम्हे मेरी यह सलाह होगी कि तुम भाग्य को गले लगाओ और इसे 'प्रेम से आमंत्रण' दो, यह जानते हुए कि यह एक चुनौती की तरह है जो तुमने स्वयं को दी है. वह एक मूल आस्था होनी चाहिये."

"भाग्य को गले लगाना. वह इसे देखने का एक अलग तरीका है. बहुत से लोग भाग्य को एक नकारात्मक सन्दर्भ में सोचते हैं, कुछ दुर्भाग्य की भान्ति."

"हाँ, और भाग्य को गले न लगाने का एक अतिरिक्त असर यह है कि तुम्हे संसार पर क्रोध आता है और तुम उन व्यक्तियों की ओर बदले की भावना रखते हो जो उन भाग्य से उत्पन्न होने

OnePlus 5T (Midnight Black 6GB RAM + 64GB memory) by OnePlus
₹32,999.00

वाली परिस्थितियों के अगुआ थे, जिन्हें तुमने अपने मार्ग में पहले से निर्दिष्ट किया हुआ था. लेकिन मैं तुम्हे बदला लेने के बारे में बाद में थोड़ा और बताऊंगा."

"सामंजस्य का विकास न केवल धरती पर सारी भौतिक घटनाओं का चक्रीय समन्वय करता है, अपितु यह एक बार होने वाली नियत घटनाओं के समय का भी समन्वय करता है. एक नियत धटना का एक विशिष्ट उदाहरण है, जो हमारे पहली बार मिलने के बाद सर्दियों में तुम्हारे जन्म से पहले ही तय कर दिया गया था. तुमसे वो बस छूट गई थी जो सामान्यता तुम्हे सुबह 7:30 बजे स्कूल ले जाती थी. जब तुम अगली बस का इंतजार कर रहे थे, तो तुम्हारे पिता एक पुराना मित्र, जिसे तुमने बहुत समय से देखा नहीं था, आ गया. जब तुम एक साथ बस का इंतजार कर थे, तो तुमने उसके साथ बातचीत की और उससे कहा कि अगली गर्मियों में तुम उत्तर में अपने अंकल के फार्म पर नहीं जाओगे. उसने तुमसे कहा कि उसका एक मित्र है, जिसका फार्म आइसलैंड के दक्षिण में है, जो एक कृषि श्रमिक को ढूँढ़ रहा था. बाद में, जब तुम्हारे माता-पिता ने बात कर ली, इस पर सहमति हो गई कि अगली गर्मियों में तुम उस फार्म पर जाओगे. तुमने इस फार्म पर पाँच गर्मियाँ न बिताईं और उस फार्म पर अगली पांच गर्मियों तक काम करने की तुम्हारी योजना है. यह नियत घटना थी जो सामंजस्य के विकास में तुम्हारे जन्म से पहले ही निर्दिष्ट कर दी गई थी, जिसका प्रारूप इस तरह से बनाया गया था कि तुम अपने अंकल के फार्म पर किसान की भांति अपना जीवनकाल नहीं बिताओगे."

"ठीक है, मैं समझ गया. लेकिन मैं सोचता हूँ कि मैं किसान बन कर आनंद लेता."

"हाँ, तुम्हे आनंद आता. लेकिन एक अध्यात्मिक स्तर पर, तुम जानते हो कि तुम्हारे भविष्य के लिये और भी घटनाएं नियत हैं जो तुम्हे अधिक संतुष्टि देंगी. एक और पहलू विचार करने के लिये है कि सामंजस्य के विकास ने न केवल यह नियति तुम्हारे लिये बनाई है, इसने तुम्हारी माँ की इच्छा को भी, कि तुम अपने अंकल के फार्म पर वापिस न जाओ, पूरा किया और साथ ही साथ उस किसान की इच्छा भी पूरी की जो दक्षिण में एक कृषि-सहायक ढूँढ़ रहा था. यह उसका एक उदाहरण है कि भाग्य कैसे जीवन में आता है और कैसे सामंजस्य का विकास सभी घटनाओं को समक्रमिक बनाता है और उनका समन्वय करता है. भाग्य से होने वाली घटनाओं को देखने का एक तरीका यह भी है कि भाग्य सामंजस्य के विकास की पीठ पर लद कर चलता है."

"क्या तुम मुझे थोड़ा और बेहतर समझने में सहायता कर सकते हो - 'भाग्य' और 'सामंजस्य के विकास' की परिभाषाओं में क्या अंतर है?"

"मैं जानता हूँ यह भ्रामक हो सकता है. यह घटनाएँ एक दूसरे के साथ गुँथी हुई हैं, जिसमें नियत घटनाएँ और भी अधिक व्यापक घटनाओं के सामंजस्य के विकास में घटित होती हैं. मुख्य अंतर यह है कि एक नियत घटना तुम्हारी ऊपरी आत्मा और तुम्हारी आत्मा द्वारा प्रारंभ की जाती है, और यह एक ही बार होने वाली घटना जिसे तुमने स्थान/समय में प्रकट होने के लिये तय किया था, जबकि सामंजस्य का विकास करने वाली घटनाओं का सम्बन्ध लगातार होती रहने वाली चक्रीय प्रक्रियाओं से है, संसार में भौतिक ढांचों के उद्गम और लुप्त होने के गोलाकार स्वरूप का; यह वह जो सब कुछ है के द्वारा निदेशित होता है."

aamsi
Crepe igital
rinted
urti
uti
Coloured r
ee i e

Amayra blue floral printed long length anarkali Cotton kurti for womens

“ठीक है,मैं समझ गया.”

“तुम्हे शायद यह समझ में आ गया है कि धरती पर कुछ भी बेतरतीब नहीं होता. सभी चीजें, किसी रूप में, किसी और चीज पर क्रियाशील हैं. इसलिये, कोई भी चीज ऐसी नहीं जो संयोग से, या भाग्य से, होती हो.”

“बिंगो या लाटरी जीतने के बारे में क्या विचार है? या रेस में या खेल में शर्त लगाना? अपने सच्चे प्रेम से मिलना? लोग अक्सर यह बात करते हैं कि वह कितने भाग्यशाली रहे हैं, और ये भी कि वह कितने दुर्भाग्यशाली हो सकते हैं.”

“यह सब घटनाएं भाग्य से होती हैं. जबकि बहुत से लोग स्वीकार करते हैं कि कुछ परिस्थितियों में भाग्य का अस्तित्व है, जैसे कि अपने सच्चे प्रेम से मुलाक़ात, जिनसे वह शादी करते हैं और ‘हमेशा ख़ुशी से’ रहते हैं, उनको यह भी विश्वास होता है कि वह भाग्यशाली हो सकते हैं, जैसा कि तुम कहते हो, उदाहरण के लिये, बिंगो में या लाटरी में,या रेस में शर्ते लगाने पर या खेलों में. भाग्य नियति से ज्यादा वास्तविक या उत्तेजक महसूस होता है, हमेशा ही यह महसूस होता है कि अपनी शर्तों पर काबू करने के लिये तुम कुछ कर सकते हो. बेशक, जब तुम अपनी शर्तों पर काबू करने के लिये ध्यान केन्द्रित करते हो, तो तुम मंशा का प्रयोग करते हो - जिसका असर कैनवास की पृष्ठभूमि पर होता है जिसके बारे में हमने पहले बात की थी, जो इसकी संभावना बढ़ा देता है कि तुम्हारी इच्छा सच हो जायेगी और यह कि यह इसे सामंजस्य के विकास द्वारा आगे लाया जायेगा. यह वही तरीका है जिससे एक दीर्घकालिक लक्ष्य प्राप्त होगा, जैसा कि मैंने पहले वर्णन किया था.

“अंत में, परिणाम एक जैसा ही है. इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि तुम इसे भाग्य कहो या नियति. यह केवल एक अर्थ निकालने का मामला है. परिणाम एक ही है. मुख्य अंतर का सम्बन्ध आस्था से है. नियति में आस्था तुम्हे एक उद्देश्य की भावना देती है और जीवन का गहरा अर्थ, जबकि भाग्य यह बतलाता है कि जो कुछ भी होता है वह बेतरतीब होता है और यह कि उस घटना का कोई वृहत अर्थ नहीं है.”

“ठीक है, मैं उसे समझ सकता हूँ.”

“तुमने ‘बुरे’ भाग्य के बारे में भी जिक्र किया था. उसी तरह से, जब नियति में आस्था नहीं है, बुरे भाग्य को स्वीकार करना उतना ही मुश्किल है, क्योंकि कोई ऐसा संभावित अर्थ नहीं है जो निकाला जा सके, उदाहरण के लिये, शर्त में अपना सारा पैसा हार जाना. चरमसीमा तक जाते हुए, एक आस्था के और भी व्यापक अर्थ हैं कि प्रत्येक चीज भाग्य है, क्योंकि इसका तात्पर्य यह है कि जो कुछ भी होता है वह बेतरतीब है. तुम्हारा अस्तित्व एक बेतरतीब घटना है, और जीवन का कोई गहरा अर्थ नहीं है. वो लोग जो इस प्रतितीकरण से जीते हैं मुश्किल समयों से बाहर निकलना बहुत मुश्किल पाते हैं, यदि, उदाहरण के लिये, उनके साथ कोई दुखद घटना घटी है जिसने उन्हें पागल कर दिया है और वह उदास महसूस कर रहे हैं. उनके लिये जीवन में अर्थ देखना असंभव है जब जो कुछ भी होता है वह बेतरतीब है या अच्छे भाग्य या बुरे भाग्य का परिणाम है. इसलिये यह आस्था रखना कि नियति है

बहुत ही महत्वपूर्ण है. तुम बेहतर उन्नति करोगे यदि तुम्हारा यह विश्वास है कि नियति है; वह तुम्हारी एक मूल आस्था होनी चाहिये."

कोई संयोग या भाग्य नहीं है.

"हाँ, मैं समझ सकता हूँ कि वह कैसे सहायक होगा."

"अब मैं तुम्हे थोड़ा सा स्वतंत्र इच्छा के बारे में बताऊँगा. मैंने इस अवधारणा के बारे में कल भी जिक्र किया था, दीर्घकालिक लक्ष्य नियत करने के सन्दर्भ में, लेकिन मैं तुम्हे और भी बताना चाहता हूँ कि तुम अपने रोजाना के जीवन में स्वतंत्र इच्छा का अनुभव कैसे करते हो."

कृपया रचनाकार को मेल भेज कर अपने विचारों से अवगत करायें